संख्या- 4/2020/ 162/अडतीस-7-2020-28नरेगा/19

प्रेषक,

विजय बहादुर वर्मा,
संयुक्त सचिव,
उ0प्र0, शासन।

सेवा में,

आयुक्त,
ग्राम्य विकास,
उत्तर प्रदेश, लखनऊ।

ग्राम्य विकास अनुभाग-7 लखनऊ दिनांक 11 मार्च, 2020

विषय- वित्तीय वर्ष 2019-20 में महात्मा गांधी राष्ट्रीय ग्रामीण रोजगार गारण्टी योजना के क्रियान्वयन हेतु धनराशि की स्वीकृति।

महोदय,

प्रदेश में महात्मा गांधी राष्ट्रीय ग्रामीण रोजगार गारण्टी योजना के क्रियान्वयन हेतु भारत सरकार द्वारा अधिसूचित राष्ट्रीय ग्रामीण रोजगार गारण्टी अधिनियम-2005 एवं उसके अन्तर्गत भारत सरकार द्वारा निर्गत दिशा निर्देशिका में निहित व्यवस्थानुसार भारत सरकार के पत्र संख्या-जे-14037/01/2019-आरई-।(366193) (एसएल.नं0 130), दिनांक: 05-02-2020 द्वारा निर्गत केन्द्रांश के प्रथम भाग की षष्ठम किश्त की धनराशि रू0 10,00,00,000.00(रूपये दस करोड़ मात्र) के संगत 1/3 अंश राज्यांश की धनराशि रू0 3,33,33,333.00(रूपये तीन करोड़ तैंतीस लाख तैंतीस हजार तीन सौ तैंतीस मात्र) इस प्रकार कुल धनराशि रू0 13,33,33,333.00 (रूपये तेरह करोड़ तैंतीस लाख तैंतीस हजार तीन सौ तैंतीस मात्र) तथा भारत सरकार के पत्र संख्या-जे-14037/01/2019-आरई-।(366193) (एसएल.नं0 152), दिनांक: 11-02-2020 द्वारा निर्गत केन्द्रांश के प्रथम भाग की सप्तम किश्त की धनराशि रू0 59,11,31,000.00(रूपये उन्सठ करोड़ ग्यारह लाख इकतीस हजार मात्र) के संगत 1/3 अंश राज्यांश की धनराशि रू0 19,70,43,666.00(रूपये उन्नीस करोड़ सत्तर लाख तैंतालिस हजार छः सौ छाछठ मात्र) इस प्रकार कुल धनराशि रू0 78,81,74,666.00 (रूपये अठहत्तर करोड़ इक्यासी लाख चौहत्तर हजार छः सौ छाछठ मात्र) अर्थात भारत सरकार द्वारा जारी केन्द्रांश व उसके संगत राज्यांश की धनराशि सहित कुल धनराशि रू0 92,15,08,000.00(रू0 बानबे करोड़ पन्द्रह लाख आठ हजार मात्र) को वित्तीय वर्ष 2019-20 में प्राविधानित बजटीय व्यवस्थानुसार व्यय किये जाने हेतु श्री राज्यपाल महोदय आपके निवर्तन पर रखे जाने की सहर्ष स्वीकृति निम्न प्रतिबन्धों/शर्तों के अधीन प्रदान करते हैं:-

1- प्रश्नगत प्रस्ताव का परीक्षण बजट की उपलब्धता के आधार पर किया गया है। प्रश्नगत धनराशि की स्वीकृति किसी प्रकार के व्यय करने का प्राधिकार नहीं देता है, जिन मामलों में उ0प्र0 बजट मैनुअल और फाइनेंशियल हैण्डबुक के नियमों तथा अन्य स्थायी आदेशों के अन्तर्गत राज्य सरकार/केन्द्र सरकार अथवा अन्य सक्षम प्राधिकारी की स्वीकृति प्राप्त की जानी आवश्यक हो, उन मामलों में व्यय करने से पूर्व ऐसी स्वीकृति अवश्य प्राप्त कर ली जाय।
2- इस संबंध में समय-समय पर निर्गत शासनादेशों में दिये गये दिशा-निर्देशों का अनुपालन सुनिश्चित करते हुए स्वीकृत की गयी धनराशि के विरूद्ध निर्धारित लक्ष्यों के प्राप्त होने व उसके परीक्षण/सत्यापन का दायित्व आयुक्त, ग्राम्य विकास का होगा।
3- प्रश्नगत धनराशि के नियम संगत आहरण/व्यय तथा निर्धरित प्रारूप पर उपयोगिता प्रमाण पत्र प्राप्त किये जाने का दायित्व आयुक्त, ग्राम्य विकास का होगा।
4- स्वीकृत की जा रही धनराशि का आहरण एकमुश्त न करते हुए अपितु अपेक्षकतानुसार किया जायेगा। आंकडों की शुद्धता व योजना की फण्डिंग पैटर्न सुनिश्चित किये जाने का दायित्व आयुक्त, ग्राम्य विकास का होगा।
5- योजनान्तर्गत स्वीकृत धनराशि पर बैंक द्वारा अब तक अर्जित ब्याज का व्यय/उपयोग भारत सरकार द्वारा निर्धारित दिशा निर्देशों के अनुरूप किये जाने का दायित्व आयुक्त, ग्राम्य विकास का होगा।

http://Shasanadesh.up.gov.in

6- स्वीकृत की जा रही धनराशि से सामग्री आदि के क्रय हेतु सामग्री क्रय संबंधी संगत शासनादेशों में निर्धारित क्रय प्रक्रिया/व्यवस्थाओं का अनुसरण करते हुए कार्यवाही सुनिश्चित की जायेगी।

7- स्वीकृत की जा रही धनराशि का व्यय योजनान्तर्गत भारत सरकार के दिशा-निर्देशों/अधिनियम में उल्लिखित व्यवस्था एवं राज्य सरकार द्वारा प्रदत्त व्यवस्था के अन्तर्गत निर्धारित मदों में तथा ग्रामीण विकास मंत्रालय, भारत सरकार के प्रश्नगत स्वीकृत आदेश पत्रों में दी गयी शर्तों के अनुसार किया जायेगा।

8- स्वीकृत की जा रही धनराशि का व्यय चालू वित्तीय वर्ष में सुनिश्चित किया जायेगा।

9- धनराशि के आहरण के संबंध में मितव्ययिता संबंधी समय-समय पर निर्गत शासनादेशों एवं वित्तीय नियमों का कडाई से अनुपालन सुनिश्चित किया जायेगा।

10- स्वीकृत की जा रही धनराशि के संबंध में वित्त(आय-व्ययक) अनुभाग-1 के कार्यालय ज्ञाप संख्या-1/2019/बी-1-170/दस-2019-231/2019, दिनांक: 22 मार्च, 2019 व अन्य संगत शासनादेशों में दी गयी व्यवस्था का संज्ञान लेते हुए उसके अनुसार कर्यवाही/अनुपालन सुनिश्चित किया जायेगा।

11- वित्तीय नियमों के अनुपालन हेतु अपर आयुक्त(वित्त), ग्राम्य विकास, उ0प्र0 उत्तरदायी होंगे।

2- इस संबंध में होने वाला व्यय चालू वित्तीय वर्ष 2019-20 के आय-व्ययक लेखानुदान की अनुदान संख्या-13 के लेखा शीर्षक "4515-अन्य ग्राम्य विकास कार्यक्रमों पर पूंजीगत परिव्यय-102-सामुदायिक विकास-02-राष्ट्रीय ग्रामीण रोजगार गारण्टी योजना-0201-राष्ट्रीय ग्रामीण रोजगार गारण्टी योजना(के-60/रा.40-के+रा)-42-अन्य व्यय " के नामे डाला जायेगा।

3- यह आदेश वित्त विभाग के अशा0 संख्या-यूओ-ई-2- 193/दस-20 दिनांक 02 मार्च, 2020 में प्राप्त सहमति के क्रम में निर्गत किया जा रहा है।

भवदीय

विजय बहादुर वर्मा
संयुक्त सचिव।

<u>संख्या- 04 2020/ 162 (1)/अड्तीस-7-2020 तददिनांक:-</u>

प्रतिलिपि निम्नलिखित को सूचनार्थ एवं आवश्यक कार्यवाही हेतु प्रेषित:-

1. निदेशक, एमजीनरेगा, ग्रामीण विकास मंत्रालय, भारत सरकार , कृषि भवन, नई दिल्ली ।
2. महालेखाकार(लेखा एवं हकदारी), प्रथम/द्वितीय, उ0प्र0, प्रयागराज।
3. महालेखाकार(लेखा परीक्षा), प्रथम/द्वितीय, उ0प्र0, प्रयागराज।
4. अपर आयुक्त (मनरेगा/वित्त), ग्राम्य विकास विभाग, उ0प्र0, लखनऊ।
5. मुख्य कोषाधिकारी, जवाहर भवन, लखनऊ।
6. समस्त मण्डलायुक्त, उत्तर प्रदेश।
7. समस्त जिलाधिकारी/मुख्य विकास अधिकारी, उ0प्र0।
8. निदेशक, वित्तीय एवं सांख्यिकीय, उ0प्र0, लखनऊ।
9. वित्त (व्यय नियंत्रण) अनुभाग-2/वित्त(आय-व्ययक) अनुभाग-2
10. राज्य योजना आयोग-1/2
11. ग्राम्य विकास अनुभाग-3
12. गार्ड बुक।

आज्ञा से

विजय बहादुर वर्मा
संयुक्त सचिव।

http://shasanadesh.up.gov.in